इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

मांग संख्या 26

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(₹ करोड़)

	वास्तविक 2015-2016			बजट 2016-2017			संशोधित 2016-2017			बजट 2017-2018		
	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़
कुल	2479.87	114.32	2594.19	3089.71	239.11	3328.82	3247.32	311.61	3558.93	3690.00	349.00	4039.00
वसूलियां	*-83.76*	...	-83.76	...	...	...	...	...	...	...	...	...
प्राप्तियां	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
निवल	**2396.11**	**114.32**	**2510.43**	**3089.71**	**239.11**	**3328.82**	**3247.32**	**311.61**	**3558.93**	**3690.00**	**349.00**	**4039.00**
क. वसूलियों को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है												
केंद्र का व्यय												
केन्द्र का स्थापना व्यय												
1. सचिवालय	76.13	...	76.13	104.96	...	104.96	94.96	...	94.96	105.00	...	105.00
2. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र	708.03	74.44	782.47	725.00	75.00	800.00	815.00	145.00	960.00	860.00	180.00	1040.00
3. भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण	...	...	...	686.89	113.11	800.00	832.15	153.11	985.26	...	...	...
4. नियामक प्राधिकरण												
4.01 परिक्षण तथा गुणवत्ता मानकीकरण प्रमाणन (एकटीक्यूसी)	80.88	6.37	87.25	96.00	16.00	112.00	104.50	10.50	115.00	107.00	13.00	120.00
4.02 साइबर सुरक्षा (सीईआरटी- आईएन और कैट)	22.45	33.51	55.96	29.80	15.00	44.80	29.53	3.00	32.53	40.48	...	40.48
4.03 नियंत्रक प्रमाणीकरण प्राधिकारी (सीसीए)	4.62	...	4.62	8.00	...	8.00	6.00	...	6.00	7.00	...	7.00
जोड़- नियामक प्राधिकरण	*107.95*	*39.88*	*147.83*	*133.80*	*31.00*	*164.80*	*140.03*	*13.50*	*153.53*	*154.48*	*13.00*	*167.48*
जोड़-केन्द्र का स्थापना व्यय	**892.11**	**114.32**	**1006.43**	**1650.65**	**219.11**	**1869.76**	**1882.14**	**311.61**	**2193.75**	**1119.48**	**193.00**	**1312.48**
केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें/परियोजनाएं												
डिजीटल इंडिया कार्यक्रम												
5. इलेक्ट्रानिकी शासन												
5.01 कार्यक्रम संघटक	483.91	...	483.91	420.00	...	420.00	385.55	...	385.55	240.00	...	240.00
5.02 इएपी संघटक	5.56	...	5.56	50.00	...	50.00	15.00	...	15.00	21.00	...	21.00
जोड़- इलेक्ट्रानिकी शासन	*489.47*	...	*489.47*	*470.00*	...	*470.00*	*400.55*	...	*400.55*	*261.00*	...	*261.00*
6. जनशक्ति विकास	489.55	...	489.55	365.00	...	365.00	365.00	...	365.00	306.76	...	306.76
7. राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क	214.00	...	214.00	250.00	...	250.00	250.00	...	250.00	150.00	...	150.00
8. इलेक्ट्रॉनिकी / आईटी हार्डवेयर विनिर्माण को प्रोत्साहन	52.07	...	52.07	50.00	20.00	70.00	50.00	...	50.00	625.00	120.00	745.00
9. आईटी / आईटीईएस उद्योग को प्रोत्साहन	...	...	...	5.00	...	5.00	5.00	...	5.00	6.00	...	6.00

(₹ करोड़)

	वास्तविक 2015-2016			बजट 2016-2017			संशोधित 2016-2017			बजट 2017-2018		
	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़
10. साइबर सुरक्षा परियोजनाओं (एनसीसीसी एवं अन्य)	12.26	...	12.26	25.20	...	25.20	21.08	...	21.08	64.00	36.00	100.00
11. आईटी / इलेक्ट्रॉनिकी / सीसीबीटी में अनुसंधान और विकास	149.41	...	149.41	122.00	...	122.00	122.00	...	122.00	101.00	...	101.00
12. विदेश व्यापार और निर्यात प्रोत्साहन	2.60	...	2.60	3.10	...	3.10	2.79	...	2.79	3.00	...	3.00
जोड़-डिजीटल इंडिया कार्यक्रम	**1409.36**	**...**	**1409.36**	**1290.30**	**20.00**	**1310.30**	**1216.42**	**...**	**1216.42**	**1516.76**	**156.00**	**1672.76**
जोड़-केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें/परियोजनाएं	**1409.36**	**...**	**1409.36**	**1290.30**	**20.00**	**1310.30**	**1216.42**	**...**	**1216.42**	**1516.76**	**156.00**	**1672.76**
केंद्रीय क्षेत्र का अन्य व्यय												
स्वायत्त निकाय												
13. प्रगत संगणन विकास केन्द्र (सी-डैक)	95.44	...	95.44	86.50	...	86.50	86.50	...	86.50	92.00	...	92.00
14. सेंटर फॉर मटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सी-मेट)	10.60	...	10.60	13.00	...	13.00	13.00	...	13.00	14.00	...	14.00
15. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)	13.26	...	13.26	5.76	...	5.76	5.76	...	5.76	...	...	...
16. एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और रिसर्च सोसायटी (समीर)	53.00	...	53.00	38.50	...	38.50	38.50	...	38.50	42.00	...	42.00
17. भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (युआईडीएआई)	...	...	...	...	...	...	...	...	...	900.00	...	900.00
जोड़-स्वायत्त निकाय	**172.30**	**...**	**172.30**	**143.76**	**...**	**143.76**	**143.76**	**...**	**143.76**	**1048.00**	**...**	**1048.00**
अन्य												
18. मीडिया लैब एशिया	6.10	...	6.10	5.00	...	5.00	5.00	...	5.00	5.76	...	5.76
19. वास्तविक वसूलियां	-83.76	...	-83.76	...	...	...	...	...	...	...	...	...
जोड़-अन्य	**-77.66**	**...**	**-77.66**	**5.00**	**...**	**5.00**	**5.00**	**...**	**5.00**	**5.76**	**...**	**5.76**
जोड़-केंद्रीय क्षेत्र का अन्य व्यय	**94.64**	**...**	**94.64**	**148.76**	**...**	**148.76**	**148.76**	**...**	**148.76**	**1053.76**	**...**	**1053.76**
कुल जोड़	***2396.11***	***114.32***	***2510.43***	***3089.71***	***239.11***	***3328.82***	***3247.32***	***311.61***	***3558.93***	***3690.00***	***349.00***	***4039.00***
ख. विकास शीर्ष												
आर्थिक सेवाएं												
1. उद्योग	1692.06	...	1692.06	1351.76	...	1351.76	1289.54	...	1289.54	2551.00	...	2551.00
2. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं	701.45	...	701.45	1430.85	...	1430.85	1656.11	...	1656.11	875.00	...	875.00
3. विदेशी व्यापार और निर्यात संवर्द्धन	2.60	...	2.60	3.10	...	3.10	2.79	...	2.79	3.00	...	3.00
4. दूरसंचार और इलेक्ट्रानिक उद्योगों पर पूंजी परिव्यय	...	39.88	39.88	...	45.00	45.00	...	7.50	7.50	...	163.00	163.00
5. अन्य सामान्य आर्थिक सेवाओ पर पूंजी परिव्यय	...	74.44	74.44	...	178.11	178.11	...	288.11	288.11	...	166.00	166.00
जोड़-आर्थिक सेवाएं	**2396.11**	**114.32**	**2510.43**	**2785.71**	**223.11**	**3008.82**	**2948.44**	**295.61**	**3244.05**	**3429.00**	**329.00**	**3758.00**
अन्य												
6. पूर्वोत्तर क्षेत्र	...	...	...	304.00	...	304.00	298.88	...	298.88	261.00	...	261.00
7. पूर्वोत्तर क्षेत्रों पर पूंजी परिव्यय	...	...	...	...	16.00	16.00	...	16.00	16.00	...	20.00	20.00
जोड़-अन्य	**...**	**...**	**...**	**304.00**	**16.00**	**320.00**	**298.88**	**16.00**	**314.88**	**261.00**	**20.00**	**281.00**
कुल जोड़	**2396.11**	**114.32**	**2510.43**	**3089.71**	**239.11**	**3328.82**	**3247.32**	**311.61**	**3558.93**	**3690.00**	**349.00**	**4039.00**

(₹ करोड़)

	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़
ग. सार्वजनिक उद्यम में निवेश												
1. सीडीएसी और अन्य एबी	...	934.23	934.23	...	1514.94	1514.94	...	1006.96	1006.96	...	1036.13	1036.13
जोड़	**...**	**934.23**	**934.23**	**...**	**1514.94**	**1514.94**	**...**	**1006.96**	**1006.96**	**...**	**1036.13**	**1036.13**

1. **सचिवालय:** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के लिए सचिवालय व्यय का प्रावधान करता है।

2. **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र:** राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) का एक संबद्ध कार्यालय, जो नागरिक केंद्रित सेवाओं की प्रदायगी के लिए ई-शासन, आईसीटी अवसंरचना, अनुप्रयोग और सेवाएं एक प्रमुख वैज्ञानिक/ तकनीकी संगठन है।

3. **भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण:** यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) का उद्देश्य , विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों की प्रदायगी और इन सेवाओं के प्रभावी लक्ष्य-निर्धारण के लिए एक बुनियादी पहचान ढांचा प्रदान करना है। यह ऐसे अनुप्रयोगों और सेवाओं की पुष्टि / सत्यापन के रूप में आधार में शामिल अनोखी बायोमेट्रिक विशेषताओं के माध्यम से व्यक्तियों की ऑनलाइन पहचान निर्धारित करता है जिससे पहचान के प्रमाण और उपस्थिति के प्रमाण का भी निर्धारण किया जाता है।

4.01. **परिक्षण तथा गुणवत्ता मानकीकरण प्रमाणन (एकटीक्यूसी):** मानकीकरण, परिक्षण, और गुणवत्ता प्रमाणन (एसटीक्यूसी): एसटीक्यूसी निदेशालय एमईआईटीवाई का एक संबद्ध कार्यालय है जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उत्पादों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए उद्योग के लिए परीक्षण, अंशशोधन, प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण सेवाएं प्रदान करता है।

4.02. **साइबर सुरक्षा (सीईआरटी- आईएन और कैट):** आईटी अधिनियम 2000 के तहत निहित प्रावधानों के अनुसार, साइबर अपीलीय न्यायाधिकरण (कैट) और सर्ट-इन को स्थापित किया गया है। जहाँ एक ओर कैट इस अधिनियम के तहत प्रमाणन प्राधिकारी नियंत्रक द्वारा या किसी न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा जारी किए गए किसी आदेश से व्यथित किसी भी व्यक्ति की अपील पर विचार करता है, वहीं दुसरी ओर सर्ट-इन साइबर घटनाओं पर सूचना के संग्रहण, विश्लेषण और प्रचार-प्रसार, सुरक्षा प्रक्रियाओं, पद्धतियों, साइबर घटनाओं की रोकथाम, प्रत्योत्तर और रिपोर्टिंग से संबंधित दिशा- निदेश, परामर्श निदेश, सुभेदयता नोट और श्वेतपत्र जारी करने जैसे साइबर सुरक्षा के क्षेत्र से जुडे विभिन्न कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में विभिन्न कार्य करता है।

4.03. **नियंत्रक प्रमाणीकरण प्राधिकारी (सीसीए):** सीसीए का कार्यालय प्रमाणन प्राधिकारियों (सीए) को डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (डीएससी) जारी करने के लिए लाइसेंस जारी करता है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 18 के तहत सीसीए सीए की सार्वजनिक कुंजियों के मानकों को बनाए रखने जाने तथा सीए के अन्य कार्यो को प्रमाणित करता है।

5. **इलेक्ट्रानिकी शासन:** व्यापक रूप में ई-गवर्नेंस का उद्देश्य है कि नागरिकों को विभिन्न मोड के माध्यम से एकीकृत और अंतर-प्रचलित प्रणालियों के माध्यम से उसके इलाके में सस्ती कीमत पर दक्षता, पारदर्शिता से सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिकी के माध्यम से प्रदायगी सुनिश्चित करना है। विश्व बैंक समर्थित "इंडिया: लोक सेवाओं की ई-प्रदायगी" परियोजना इलेक्ट्रॉनिकी शासन योजना के तहत एक बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना है जिसके तहत नीतियों, मानव संसाधन, प्रौद्योगिकी, परियोजना के विकास आदि के व्यापक क्षेत्रों में भारत सरकार और राज्यों/संघ राज्यों की विभिन्न ई-शासन पहलों के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

6. **जनशक्ति विकास:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी उद्योग के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षित जन संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है। इन पहलों में औपचारिक क्षेत्रों में कमी का पता लगाना और गैर-औपचारिक और औपचारिक क्षेत्र और नियोजन कार्यक्रमों से इस कमी को दूर करना शामिल करना है।

7. **राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क:** इस योजना को देश भर में कई गीगाबिट बैंडविड्थ के साथ राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क की स्थापना करने तथा ज्ञान संस्थानों से कनेक्ट करने के लिए शुरू किया गया है।

8. **इलेक्ट्रॉनिकी / आईटी हार्डवेयर विनिर्माण को प्रोत्साहन:** सरकार द्वारा देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए और इस उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए एक अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए सतत आधार पर कई प्रकार की पहलें की गई हैं । इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और निबल शून्य आयात के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अपने अभिप्राय का एक प्रदर्शन है। इलेक्ट्रॉनिकी हार्डवेयर की मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, भारत संभावित रूप में इलेक्ट्रॉनिकी हार्डवेयर विनिर्माण हब बन सकता है और सकल घरेलू उत्पाद, रोजगार के अवसर और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है।

9. **आईटी / आईटीईएस उद्योग को प्रोत्साहन:** डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत देश भर में बीपीओ / आईटीईएस के संचालन को प्रोत्साहित करने के लिए, विशेष रूप से डिजिटल कमी वाले क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजन करने के लिए

और आईटी/ आईटीईएस उद्योग के संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए, आईटी के लिए नौकरियां स्तंभ के अन्तर्गत दो योजनाओं (एनईबीपीएस और आईबीपीएस) का कार्यान्वयन शुरू किया गया है।

10. **साइबर सुरक्षा परियोजनाओं (एनसीसीसी एवं अन्य):** इस योजना का उद्देश्य सुरक्षा नीति, अनुपालन और आश्वासन, प्रारंभिक चेतावनी और प्रतिक्रिया, सुरक्षा प्रशिक्षण, सुरक्षा विशिष्ट अनुसंधान एवं विकास, कानूनी ढांचे और सहयोग को सक्षम बनाने के लिए कई तरह की पहलें शुरू करके देश के साइबर स्पेस को सुरक्षित करने की दिशा में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना है।

11. **आईटी / इलेक्ट्रॉनिकी / सीसीबीटी में अनुसंधान और विकास:** अनुसंधान एवं विकास के समर्थन से उभरती हुई प्रौद्योगिकी का प्रसार और समावेश तथा इस कार्यक्रम के अतिरिक्त आवश्यक अनुसंधान एवं विकास के लिए बुनियादी ढांचे और वैज्ञानिक और तकनीकी जन पूंजी तैयार करना इसके महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है। इन प्रयासों के परिणाम स्वरूप देश में स्टॉर्ट–अप आधार बढ़ाने, आईपी पोर्टफोलियो को बढ़ाने, स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और भारतीय कंपनियों को निर्माण के लिए उसका हस्तांतरण अपेक्षित है। विभाग द्वारा अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और इलेक्ट्रॉनिकी में अनुसंधान एवं विकास को वर्गीकृत किया गया है (इलेक्ट्रॉनिकी सिस्टम डिजाइन और अनुप्रयोग ; ई-कचरा प्रसंस्करण के लिए प्रौद्योगिकी सहित इलेक्ट्रॉनिकी घटक और सामग्री प्रौद्योगिकी अर्धचालक एकीकृत सर्किट लेआउट डिजाइन रजिस्ट्री (एसआईसीएलडीआर) सहित नैनो और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिकी, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिकी और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, और नवप्रवर्तन प्रोत्साहन एवं स्टार्ट-अप); आईटी में अनुसंधान एवं विकास ; राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन सहित उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी), प्रसेप्शन इंजीनियरिंग, जैव सूचना विज्ञान; नि: शुल्क और मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर, ग्रीन और सर्वव्यापी कम्प्यूटिंग ; डिजिटल संरक्षण) और सीसी और बीटी में आर एंड डी (अगली पीढ़ी का संचार-5जी और इससे परे, संज्ञानात्मक और सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो नेटवर्क, कलॉउड संचार, आईओटी, बिग डाटा एनालिटिक्स, ब्रॉडबैंड वायरलेस प्रौद्योगिकी और सामरिक इलेक्ट्रॉनिकी) के रूप में परिभाषित किया गया है।

12. **विदेश व्यापार और निर्यात प्रोत्साहन:** विदेश व्यापार नीति के अनुसार इलेक्ट्रॉनिकी हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (ईएचटीपी) और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपी) इकाइयों को केंद्रीय बिक्री कर (सीएसटी) की प्रतिपूर्ति करना।

13. **प्रगत संगणन विकास केन्द्र (सी-डैक):** सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन है। इसके बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मोहाली, मुम्बई, नोएडा, पुणे, सिलचर तथा तिरूवनंतपुरम शहरों में 11 केन्द्र हैं। सी-डैक जिन क्षेत्रों में फिलहाल काम कर रहा है उनमें उच्च कार्यनिष्पादन, ग्रिड और क्लाउड कम्प्यूटिंग का (राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन सहित); वहुभाषी कम्प्यूटिंग; पेशेवर इलेक्ट्रॉनिकी; सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी; साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक; स्वास्थ्य सूचना; और शिक्षण और प्रशिक्षण शामिल हैं।

14. **सेंटर फॉर मटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सी-मेट):** यह डीईआईटीवाई की एक पंजीकृत वैज्ञानिक संस्था है जो अत्याधिक उच्च इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और सेमीकन्डक्टर, इलेक्ट्रॉनिक कचरे की रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों और आरओएचएस अनुपालन, नवीनीकरण ऊर्जा के लिए सामग्री, माइक्रोवेव डाइइलेक्ट्रिक्स तथा पैकेजिंग, स्मार्ट शहरों के लिए ऐक्टुयेटर्स तथा सेंसर के लिए बहुपरतीय सेरामिक्स, सुपरकैपेसिटर्स उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करता है तथा पुणे, हैदराबाद और त्रिशूर में इसके तीन केन्द्र हैं। इसने होमलैंड सुरक्षा के लिए टेरा हर्ट्ज सामग्री पर एक नये केंद्र की स्थापना की योजना बनाई है।

15. **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.):** यह डीईआईटीवाई के अंतर्गत एक पंजीकृत वैज्ञानिक संस्था है और यह औपचारिक और अनौपचारिक रूप से आईटी के क्षेत्र में शिक्षण, ईएसडीएम, संचार प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, साइबर विधि, साइबर सुरक्षा, आईपीआर, जीआईएस क्लाउड कम्प्यूटिंग, ई-गवर्नेंस वीएलएसआई, एम्बेडेड सिस्टम और संबंधित कार्यक्षेत्र के निर्माण के कारोबार में लगी हुई है। यह विशेष रूप से आईटी शिक्षण तथा प्रशिक्षण के गैर-औपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए संस्थानों / संगठनों को मान्यता प्रदान करता है और परीक्षा तथा प्रमाणन के लिए प्रमुख संगठन है। फिलहाल इसके देश भर में पीपीपी मॉडल आधार पर 900 से अधिक मान्यता प्राप्त संस्थानों के अलावा 32 केंद्र हैं।

16. **एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और रिसर्च सोसायटी (समीर):** यह विभाग की एक पंजीकृत वैज्ञानिक संस्था है जो माइक्रोवेव, मिलीमीटरवेब और विद्युत चुंबकत्व के उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के विकास में विशेष लक्ष्य के साथ काम कर रहा है। इसके मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, विशाखापत्तनम और गुवाहाटी में पांच केन्द्र हैं।

17. **भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (युआईडीएआई):** यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) का उद्देश्य , विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों की प्रदायगी और इन सेवाओं के प्रभावी लक्ष्य-निर्धारण के लिए एक बुनियादी पहचान ढांचा प्रदान करना है। इसका अन्य उद्यम और सेवा प्रदाताओं द्वारा उनकी सेवा डिलीवरी की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए भी उपयोग किया जा सकता है। यह ऐसे अनुप्रयोगों और सेवाओं की पुष्टि / सत्यापन के रूप में आधार में शामिल अनोखी बायोमेट्रिक विशेषताओं के माध्यम से व्यक्तियों की ऑनलाइन पहचान निर्धारित करता है जिससे पहचान के प्रमाण और उपस्थिति के प्रमाण का भी निर्धारण किया जाता है।

18. **मीडिया लैब एशिया:** मीडिया लैब एशिया का डीईआईटीवाई के अंतर्गत धारा 25 कम्पनी के रूप में गठन किया गया है, जो आम आदमी के लिए आजीविका सृजन, विकलांगों का सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षण के क्षेत्र में आईसीटी समाधान के लाभ पर केंद्रित रूप से कार्य करता है।